जिस अगुवे पर लोग विश्वास करते हैं

The Leader People Trust

उद्देश्य (OBJECTIVE)

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सिखाना है कि एक **विश्वसनीय अगुवा** कैसे बना जाए।
लोग उसी अगुवे का अनुसरण करते हैं जिस पर वे **भरोसा** करते हैं — और यह भरोसा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि **चरित्र**, **निरंतरता**, और **कर्तव्यों की निष्ठा** से बनता है।

यीशु ने विश्वास के साथ नेतृत्व करने का एक उत्तम उदाहरण रखा — उनके जीवन, उनके निर्णयों और उनके व्यवहार ने लोगों को आश्वस्त किया कि वे उनके पीछे चल सकते हैं।

सारांश (OVERVIEW)

- प्रभावी नेतृत्व की नींव है: **विश्वास**
- लोग उस अगुवे पर विश्वास करते हैं जो:
    - भरोसेमंद हो
    - चरित्र में सच्चा हो
    - लगातार वही कार्य करता हो जो वह कहता है
    - अपने शब्दों और कार्यों में सामंजस्य रखता है
- विश्वास बनाने के तीन स्तंभ:
    1. **ईमानदारी (Integrity):** निजी और सार्वजनिक जीवन में एक समानता
    2. **सुसंगतता (Consistency):** लगातार और स्थिर व्यवहार
    3. **करुणा (Compassion):** दूसरों की परवाह करना और उनके साथ खड़ा होना

विश्वास एक बार में नहीं बनता — यह समय, सत्य, और सेवा से बनता है

जब लोग आप पर विश्वास करते हैं, तो वे आपके पीछे चलने में आत्मविश्वास महसूस करते हैं

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- नीतिवचन 11:3
- भजन संहिता 78:72
- 1 तीमुथियुस 3:1-7
- 1 कुरिन्थियों 4:2

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. आप किन-किन तरीकों से अपनी सेवकाई में **ईमानदारी और सुसंगतता** को बढ़ावा देते हैं?

2. क्या ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ आपका व्यवहार आपके संदेश से मेल नहीं खाता? उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है?

3. जिन लोगों का आप नेतृत्व करते हैं, उनके प्रति आपकी **करुणा और परवाह** कैसे प्रकट होती है?

4. विश्वास निर्माण के लिए आप अपने जीवन में क्या **नियमित अभ्यास** शामिल कर सकते हैं?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- 1 तीमुथियुस 4:12-16
- 2 कुरिन्थियों 8:21
- तीतुस 2:7-8